प्रज्ञान

हिंदी पाठमाला

4

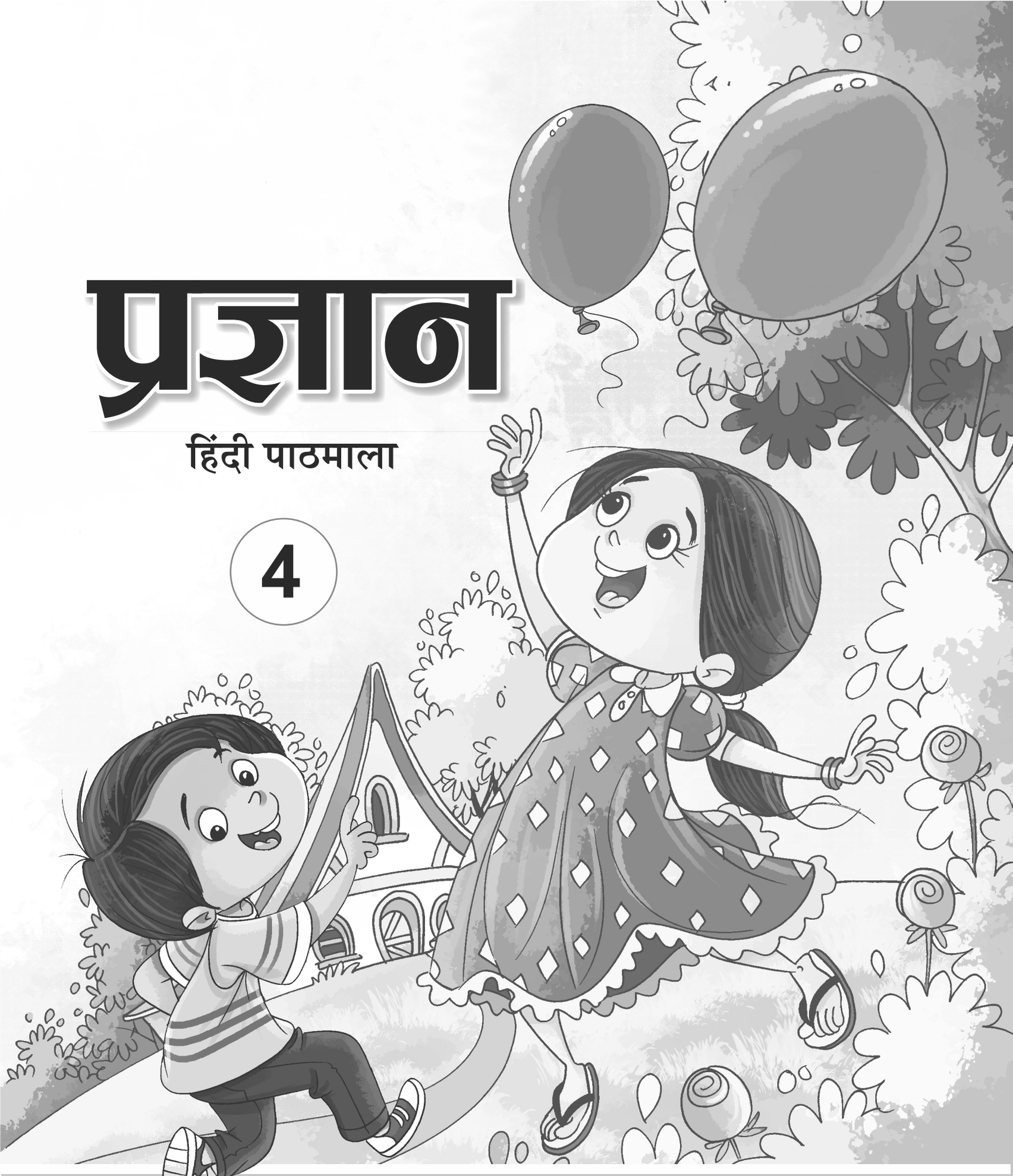

1. मन के भोले-भाले बादल

❐ Worksheet

1. (क) (ii) बादल (ख) (i) पाखण्डी (ग) (ii) बादल

2. (क) मतवाले जिद्दी
शैतानी तूफानी

(ख)

	कैसा	**कौन**
सूरज-सी	चमकीली	थाली
चंदा-सा	शीतल	जल
हाथी-सा	विशाल	जानवर
जोकर-सा	तोंदू	आदमी
परियों-सा	सुंदर	पंख
गुब्बारे-सा	फूला	पेट
ढोलक-सा	बजता	डिब्बा

3. (क) (iii) (ख) (iv) (ग) (ii) (घ) (i)

4. (क) जोकर से बादलों की तोंद फूली है।

(ख) बादल कभी तेज आँधी और बारिश करते होंगे। कभी आपस में टकराकर चमकते-गरजते होंगे। कभी नदी-नालों में बाढ़ ला देते होंगे। इस प्रकार बादल तरह-तरह की शैतानियाँ करते होंगे।

(ग) बादल ढोलक-ढोल बजाते हैं।

(घ) बादल जिद्दी बनकर नदी-नालों में बाढ़ लाते हैं।

5. (क) बारिश के साथ तेज चलने वाली आँधी को तूफान कहते हैं। बादल ही तेज आँधी और बारिश लाते हैं, इसलिए उन्हें तूफानी बादल कहा गया है।

(ख) जुलाई और अगस्त के महीनों में ज्यादा बादल छाते हैं।

(ग) कुछ बादल काले दिखाई देते हैं तो कुछ भूरे और सफेद। लेकिन बादल सचमुच काले नहीं होते। वे तो पानी की भाप से बनी बूँदों से बने हुए होते हैं।

6. (क) काले

(ख) इसमें मानवीकरण अलंकार का मुख्य रूप से प्रयोग हुआ है।

7. (क) बादल पृथ्वी से जल सोखकर काफी वर्षा करते हैं। उनके लिए जीवन में लेने की अपेक्षा देना महत्त्वपूर्ण है। हम भी इसे अपनाना चाहेंगे।

(ख) जी हाँ, हमें लोग मन का भोला-भाला कहें, हमारे ऐसे काम होंगे तो हमें अच्छा लगेगा।

8. (क) छात्र स्वयं करें।

(ख) कोई पेड़ पीपल-सा विशाल है।
कोई नींबू के पेड़-सा छोटा है।

कोई पेड़ बाँस जैसा लम्बा और पतला है।
कोई पेड़ बरगद-सा मोटा है।
कोई पेड़ नीम-सा घना है।
कोई पेड़ बबूल-सा टेढ़ा-मेढ़ा है।

❑

2. पापा जब बच्चे थे

❑ **Worksheet**

1. (क) (ii) चौकीदार (ख) (ii) गायक (ग) (ii) पापा
(घ) (iii) पापा ने

2. (क)

दादा	नाना
दादी	नानी
ताऊ	मामा
बुआ	मौसी
चाचा	जीजा

(ख) (i) पापा (ii) मम्मी (iii) अंकित (भैय्या)
(iv) पापा (v) मम्मी (vi) पापा (vii) पापा
(viii) दादा (ix) मोहन (दोस्त)
(x) रागिनी (चाची) (xi) राजीव (दोस्त)
(xii) रानी (बहन)

3. (क) (iv) (ख) (iii) (ग) (i) (घ) (ii)

4. (क) बुढ़िया महिला ने उनके सिर को सहलाना चाहा।
(ख) पापा ने सोचा, "मैं एक आइसक्रीम बेचूँगा तो एक खुद खाऊँगा। छोटे बच्चों को तो मैं मुफ्त में आइसक्रीम दिया करूँगा।"
(ग) फौजी अफसर ने पूछा, यह तुम क्या कर रहे हो?
(घ) अंत में पापा समझ गये कि रोज-रोज अपना इरादा नहीं बदला जाता है। वे इंसान बनना चाहते हैं।

5. (क) पापा ने जितने काम सोचे, उनमें से मुझे सबसे दिलचस्प काम वायुयान चालक बनना लगता है क्योंकि आकाश में पक्षियों की तरह उड़ना मुझे बेहद रोमांचक लगता है।
(ख) हाँ, मुझे भी घर में बताया जाता है कि मुझे बड़े होकर क्या काम करना है। मेरे दादा-दादी और माता-पिता कहते हैं। मेरे दादाजी कहते हैं कि तुम्हें आई०ए०एस० अफसर बनना है। मेरे माता-पिता मुझे इंजीनियर बनाना चाहते हैं।
(ग) अगर मैं पापा की जगह होता तो स्टेशन के पास ही मैं ठेला लगाता, क्योंकि वहाँ पर आइसक्रीम खूब बिकेगी।

(घ) मुझे रेल से सफर करते समय रेलगाड़ी और प्लेटफार्म पर सामान बेचने वाले दुकानदार, रेलकर्मी और यात्री नजर आएँगे।

6. (क) (i) ये शब्द सर्वनाम हैं।

(ii) उन्हें—उन्हें खेलना अच्छा लगता है।
वह—वह जहाँ चाहे घूम सकते हैं।
उनसे—उनसे कोई बहस में नहीं जीत सकता।
उन्होंने—उन्होंने हर काम नादानी में सोचा।
मैं—मैं बहुत ईमानदार हूँ।

(ख) (i) पापा बहुत चतुर थे।

(ii) पापा चंचल मन वाले थे।

(iii) पापा बच्चों से बहुत प्यार करते थे।

(iv) पापा हमेशा काम करते रहना चाहते थे।

7. (क) समुच्चयबोधक (ख) भूतकाल

(ग) कर्ता कारक और करण कारक है (घ) बूढ़ी

8. (क) मानव को सर्वप्रथम अच्छा इंसान बनना चाहिए।

(ख) इससे हमारे विचारों और व्यक्तित्व में अस्थिरता झलकती है जो हानिकारक है।

9. (क) (i) अस्पताल में काम करने वाले डॉक्टर और नर्सों को रात को जागना पड़ता है। ड्राइवर, पुलिस वाले, फौजी, कॉल सेंटर वाले भी रात को जागकर काम करते हैं।

(ii) मेरे यहाँ जो अखबार देने वाला लड़का आता है उसकी उम्र ज्यादा नहीं है। यही कोई सत्रह-अठारह साल का होगा। वह सुबह को अखबार बाँटता है, फिर कॉलेज जाता है और शाम को कुछ बच्चों को ट्यूशन देने का काम करता है। इस प्रकार वह एक साथ तीन-तीन काम करता है।

(ख) छात्र स्वयं करें।

(ग) (ii) अब मैं रोज-रोज अपना इरादा नहीं बदल सकता।

(iv) ये फौजी अफसर मुझ पर हँसा क्यों नहीं, बाकी सब तो हँसते हैं।

❑

3. दोस्त की पोशाक

❑ **Worksheet**

1. (क) (ii) नसीरूद्दीन के पुराने दोस्त

(ख) (ii) उनकी पोशाक अच्छी नहीं थी

(ग) (i) हुसैन साहब ने

2. (क) हुसैन साहब (ख) पोशाक (ग) अचकन

3. (क) (ii) जो अचकन पहनी है।

(ख) (iv) पर तो मानो घड़ों पानी पड़ गया।

(ग) (i) ने कहा ''बस इतनी सी बात!''

(घ) (iii) ने गर्मजोशी से उनका स्वागत किया।

4. (क) हम बन-ठन कर शादी, पार्टी, बर्थडे, मेले, बाजार और सिनेमा जाते हैं।

(ख) मैं नहा धोकर नए कपड़े पहनता हूँ। कंघी करता हूँ तथा पॉलिश किए जूते पहनकर बनता-ठनता हूँ।

(ग) जमाल साहब मामूली से कपड़ों में घूमते तो लोग कहते कि उनके पास अच्छे कपड़े नहीं हैं। इसलिए जमाल साहब अपने मामूली से कपड़ों में घूमने नहीं जाना चाहते होंगे।

(घ) नसीरूद्दीन एक मजाकिया इंसान थे। वे अपने दोस्त से मजाक करने के लिए अपनी अचकन के बारे में हमेशा बताते होंगे।

(ङ) नसीरूद्दीन ने बताया कि जमाल साहब मेरे पुराने दोस्त हैं और इन्होंने जो अचकन पहनी है वह इनकी अपनी है।

5. (क) नसीरूद्दीन ने जमाल साहब का परिचय अन्य पड़ोसी से करवाया, ''मैं आपका परिचय अपने पुराने दोस्त से करवा दूँ। ये हैं जमाल साहब और इन्होंने जो अचकन पहनी है उसके बारे में मैं चुप ही रहूँ तो अच्छा है।''

(ख) बेगम—किस दोस्त के साथ?

हुसैन साहब—जमाल नाम का कोई पुराना दोस्त था।

बेगम—(हँसती हुई) तब जरूर ही वह अचकन उसकी अपनी नहीं होगी।

हुसैन साहब—हाँ, हाँ! उसने तो नसीरूद्दीन की ही अचकन पहन रखी थी।

(ग) जब मैं अपने दोस्तों से मिलता हूँ तो मैं भी आस-पड़ोस में घूमने जाता हूँ। ढेर सारी चीजें खरीदता हूँ। दोस्तों के साथ मनपसंद चीजें खाता हूँ। उनके साथ गपशप करता हूँ, खूब हँसता-हँसाता हूँ। कभी-कभी उनके साथ खेलता भी हूँ।

6. (क) शर्मिन्दा या लज्जित होना

(ख) (i) **अर्थ**—कार्य की शुरुआत में बाधा आना।

वाक्य प्रयोग—नरेश ने कल ही कार खरीदी थी और रात की आँधी में उसके ऊपर पेड़ गिर गया, उसके तो सिर मुंडाते ही ओले पड़ गये।

(ii) **अर्थ**—आवश्यकता से कम वस्तु का मिलना।

वाक्य प्रयोग—गाँव में अस्पतालों की व्यवस्था तो ऊँट के मुँह में जीरा है।

(iii) **अर्थ**—अपनी बुराई दिखाई न देना।

वाक्य प्रयोग—दरोगा जी का अपना पुत्र भी चोरी में शामिल था। इसे कहते हैं दीया तले अँधेरा।

(iv) **अर्थ**—बहुत दिनों में दिखाई देना।

वाक्य प्रयोग—बैंक में क्लर्क बनने के बाद से तो माधुरी पूरा ईद का चाँद बन गई।

(ग) **घड़ा**—कुम्हार घड़ा बनाता है।

गढ़ा—तुमने सुन्दर मूर्ति गढ़ी है।

घूम—बच्चे पार्क में घूम रहे थे।

झूम—पौधे हवा से झूम रहे हैं।

राज—पुराने समय में यहाँ मुगलों का राज था।

राज़—सबको तुमहारे इस राज़ का पता चल गया है।

फ़न—तानसेन अपने फ़न में माहिर था।

फन—साँप ने अपना फन उठा लिया।

सजा—दिवाली के दिन सारा शहर सजा हुआ था।

सज़ा—चोर को सज़ा जरूर मिलेगी।

खोल—मम्मी ने दरवाजा खोल दिया।

खौल—उबला हुआ पानी खौल रहा था।

(घ) प्रश्नवाचक

(ङ) इसमें किसी कारक का प्रयोग नहीं हुआ है।

7. (क) इससे दूसरा व्यक्ति शर्मिंदा होता है और वह उपकार को अपकार समझ आपका विरोधी हो जाता है।

(ख) डींग मारने से लोग बुरा मानते हैं और उस व्यक्ति के विरोधी बनकर उसे नीचा दिखाने का प्रयास करते हैं। डींग मूर्ख लोग मारते हैं।

8. (क) छात्र स्वयं करें।

(ख) कहानी के बारे में पाँच प्रश्न और उनके उत्तर निम्नलिखित हैं—

1. नसीरूद्दीन किससे मिलकर बहुत खुश हुए?

उत्तर—नसीरूद्दीन जमाल साहब से मिलकर बहुत खुश हुए।

2. नसीरूद्दीन ने हुसैन साहब से क्या कहा?

उत्तर—नसीरूद्दीन ने हुसैन साहब से कहा कि जमाल साहब मेरे पुराने दोस्त हैं और इन्होंने जो अचकन पहनी है वह इनकी अपनी ही है।

3. नसीरूद्दीन ने अपने पड़ोसी को जमाल साहब की पोशाक के बारे में क्या बताया?

उत्तर—उन्होंने जो अचकन पहन रखी है, वह मेरी है।

4. जमाल साहब ने नसीरूद्दीन को क्या समझाया?

उत्तर—जमाल साहब ने नसीरूद्दीन को समझाया कि पोशाक के बारे में न कहना ही अच्छा है।

5. जमाल साहब ने घूमने जाने से क्यों मना कर दिया?

उत्तर—जमाल साहब की पोशाक मामूली-सी थी, इसलिए उन्होंने घूमने जाने से मना कर दिया।

❑

4. नाव बनाओ नाव बनाओ

❑ **Worksheet**

1. (क) (iii) नाव
(ख) (iii) सात
(ग) (i) नाव तैराकर
(घ) (iii) आलस

2. ले आओ, **कागज** चमकीला,
लाल-हरा या नीला-पीला,
रंग-बिरंगा खूब **रंगीला**,
कैंची, **चुटकी**, हाथ चलाओ।
भैया मेरे, जल्दी आओ।।

3. (क) (ii) (ख) (iii) (ग) (iv) (घ) (i)

4. (क) लेखक बाजार से चमकीला कागज जल्दी लाने के लिए कहता है।
(ख) बादल से पानी खूब पड़ेगा और लंबी-चौड़ी गली भरेगा। वही घर में नदी भर देगा।
(ग) खोट आलस में है।
(घ) लेखक रस का सागर भर लाने के लिए कहते हैं।

5. (क) लेखक नाव बनाने को लेकर उत्साहित है।
(ख) लेखक को रस के सागर जैसे खूब पानी बरसने की आशा है।

6. (क) भैया ने बहाना बनाया कि नाव बनाना मेरे बस का काम नहीं है। इसका कारण यह था कि भैया को बाजार से कागज लाकर नाव बनाने में आलस आ रहा था।
(ख) कागज की नाव बूँदों और लहरों से लड़ते हुए आगे बढ़ रही है।
(ग) भैया की गुल्लक भारी है तथा बच्चे की गुल्लक हल्की है।

7. (क) (i) सचमुच मेरी तबियत ठीक नहीं है।
(ii) रितिक सचमुच अच्छा इंसान है।
(ख) (i) 1. हिन्द महासागर, 2. प्रशांत महासागर, 3. अटलांटिक महासागर, 4. उत्तरी ध्रुव महासागर, 5. दक्षिणी ध्रुव महासागर, 6. अरब सागर, 7. बंगाल की खाड़ी।
(ii) हाँ, बारिश के बादल सचमुच समुद्र से पानी लाते हैं। सूरज की गर्मी से समुद्र का पानी भाप बनकर आकाश में चला जाता है। वहाँ इकट्ठी हुई भाप धीरे-धीरे ठंडी होकर पानी की बूँदों की शक्ल ले लेती है। वही बूँदें बादल का रूप लेकर पानी बरसाने लगती हैं।

(ग) आना — लाना
छाना — मरना
लहराना — खोलना
चलाना — छोड़ना।

(घ) **क्रियाओं का वर्णमाला क्रम**—1. आना 2. खोलना 3. चलाना 4. छाना 5. छोड़ना 6. भरना 7. लहराना 8. लाना।

8. (क) आलस करने से व्यक्ति की प्रतिभा और इच्छाशक्ति समाप्त हो जाती है।

(ख) उत्साह से जीवन में सफलता देर-सबेर अवश्य मिलती है क्योंकि व्यक्ति उत्साह से कार्य करता है। लेखक का उत्साह नाव बनाने के लिए है।

9. छात्र स्वयं करें।

❑

5. दान का हिसाब

❑ Worksheet

1. (क) (i) अकाल पड़ा (ख) (ii) निर्दयी
(ग) (iii) 20 दिन (घ) (iii) 50 हजार

2. (क) भगवान (ख) राजभंडार (ग) भिखारी (घ) क्रोध
(ङ) दान

3. (क) (iii) (ख) (i) (ग) (iv) (घ) (ii)

4. (क) कर्ण, कुंती के पुत्र थे। वे बहुत दानी थे। अत: उन्हें दानवीर कर्ण कहा जाता है।

(ख) किसी की धन या सम्पत्ति से सहायता करना दान कहलाता है।

(ग) कई कारणों से लोग दान करते हैं; जैसे—पुण्य कमाने के लिए, परोपकार के लिए, नाम के लिए आदि।

(घ) पूरे देश में खबर फैल गई कि अकाल के कारण राजकोष से पचास हजार रुपये राहत में दिए गए हैं। सभी ने कहा, ''हमारे महाराज कर्ण जैसे ही दानी हैं।''

(ङ) एक आदमी ने लोगों के लिए राजा से दस हजार रुपये की सहायता माँगी थी।

5. (क) राजा किसी को भी दान इसलिए नहीं देना चाहता था क्योंकि वह कंजूस था। उसे ऐसा लगता था कि दान देने से राजकोष खाली हो जाएगा।

(ख) राजदरबार के लोग राजा का विरोध इसलिए नहीं कर पाते थे क्योंकि उन्हें राजा के क्रोधित होने का भय रहता था। वे सोचते थे—अगर वे राजा का विरोध करेंगे तो राजा उन्हें दण्ड देगा।

(ग) राजसभा में सज्जन और विद्वान लोग इसलिए नहीं जाते थे। क्योंकि वहाँ पर उनका सत्कार बिल्कुल नहीं होता था।

(घ) यदि संन्यासी सीधे-सीधे शब्दों में भिक्षा माँगता तो राजा इतनी बड़ी रकम देने के लिए कभी तैयार नहीं होता। ऐसे में संन्यासी ने इस तरीके से भिक्षा माँगी कि राजा उसे बहुत छोटी रकम समझ बैठा।

(ङ) संन्यासी को भिक्षा देते-देते राजकोष खाली होता जा रहा था। अत: राजकोष को बचाने के लिए राजा को संन्यासी के आगे गिड़गिड़ाना पड़ा।

6. (क) राजा राजकोष का व्यय राज कर्मचारियों, राज परिवार और महल की शान-शौकत पर करता था। हमारे घर में धन भोजन, शिक्षा, स्वास्थ्य, कपड़ों, यातायात और दैनिक खर्चों हेतु होता है।

(ख) लोग चाहते थे कि अकाल के समय राजा राजकोष से दस हजार रुपए दे दे जिससे वह लोग दूसरे देशों से अनाज खरीदकर अपनी जान बचा सकें।
मैं चाहता हूँ कि पार्क में अच्छे-अच्छे फूल-पौधे लगाए जाएँ। वहाँ खेलने के लिए झूले आदि भी लगाए जाएँ।

(ग) मेरे विचार में राजा बिल्कुल गलत था। राजा जिस देश पर शासन करता है, उसके सभी लोग उसकी प्रजा हैं। प्रजा की देखभाल करना, उन्हें खुश रखना राजा का परम कर्त्तव्य है। अगर वह ऐसा नहीं करता है तो वह गलत रास्ते पर है।

(घ) लोगों को भोजन सामग्री और वस्त्र देकर उनकी सहायता कर सकता था। वह उनके लिए पक्की सड़कें और कुएँ बनवा सकता था। सड़कों के किनारे पेड़-पौधे लगवा सकता था। अस्पताल बनवा सकता था।

7. (क) (i) दान के लिए उनका हाथ नहीं उठता था।
(ii) हिसाब देखकर मंत्री परेशान हो गया।
(iii) संन्यासी की बात सुनकर सभी को आशा की किरण दिखायी दी।
(iv) राजकोष में अपार धन है। जैसे—धन का सागर हो।

(ख) **जल** जीवन के लिए आवश्यक है।
वह आग से **जल** गया।
मन से काम करना सफलता दिलाता है।
वह एक **मन** गेहूँ लाया।
पानी में रहकर **मगर** से बैर नहीं करना चाहिए।
वह मेहनत करता है **मगर** सफल नहीं होता।

(ग) बच्चे स्वयं अपने-अपने घर और स्कूल के अनुसार दिशाओं में पड़ने वाली चीजों के नाम लिखें, जैसे—सड़क, मंदिर, पार्क, मकान आदि।

8. (क) यह मानवीय दृष्टि से उचित है। जो मानव विपत्ति में मानव के काम ना आये वो मानव कहलाने का अधिकारी नहीं है।

(ख) संन्यासी को यह पता चला कि एक राजा है। वह अपने कपड़ों के ऊपर हजारों रुपए खर्च करता है। लेकिन दान नहीं देता है। संन्यासी राजसभा पहुँचा और

राजा को आशीर्वाद दिया और बोला आज मुझे एक रुपया दीजिए और फिर बीस दिन तक दोगुने देते रहने का हुक्म दे दीजिए। राजा तैयार हो गया। अब राजा को पता चला कि उन्होंने राजकोष से दस लाख रुपए झटकने का उपाय कर लिया। इस तरह से संन्यासी ने राजा को सबक सिखाया।

(ग) हमें न्याय पर चलना चाहिए और परोपकार के लिए सदा तैयार रहना चाहिए।

9. अकाल में परेशान लोगों की मदद के लिए मैं अपनी कक्षा के सारे बच्चों को इकट्ठा करूँगा। हम सब मिलकर पैसे इकट्ठे करेंगे और उससे खाने-पीने की चीजें खरीदकर वहाँ तक पहुँचाएँगे। हम बड़े लोगों से भी प्रार्थना करेंगे कि वह उनकी मदद करें। ❑

6. बहादुर बित्तो

❑ **Worksheet**

1. (क) (iii) बैल (ख) (i) गाय (ग) (ii) बित्तो की (घ) (iii) राक्षसी (ङ) (ii) शेर ने।

2. (क) किसान (ख) घोड़ा (ग) पग्गड़ (घ) शेर

3. (क) (iv) (ख) (iii) (ग) (i) (घ) (ii)

4. (क) शेर किसान से उसका बैल लेने आया था।

(ख) घोड़ा दौड़ाती बित्तो अपने खेत पर पहुँची।

(ग) बित्तों ने सिर पर बड़ा-सा पग्गड़ बाँध रखा था और उसके हाथ में दराँती भी थी। उसने किसान से कहा कि तुमने तो कहा था कि चार शेर फाँस रखे हैं। चलो, नाश्ते में एक ही शेर काफी है। इसलिए शेर ने बित्तो को राक्षसी समझ लिया था।

(घ) भूख के मारे शेर की आँतें छटपटा रही थीं।

(ङ) बित्तो की तरकीब ने बैल की जान बचा ली। वह एक भयंकर रूप धारण कर हाथों में दराँती लिए घोड़े पर सवार होकर शेर के पास पहुँच गई और जोर-शोर से राक्षस की तरह चिल्लाने लगी। शेर उसकी डरावनी बातों से इस तरह घबरा गया कि तुरंत भाग खड़ा हुआ।

5. (क) भेड़िए ने शेर को भोले महाराज इसलिए कहा क्योंकि उसने किसान की पत्नी (बित्तो) को राक्षसी समझ लिया। वह यह समझ ही नहीं सका कि केवल उसे डराने के लिए बित्तो ने चार शेरों का नाश्ता करने वाली बात कही। शेर भोला बिल्कुल नहीं था। दरअसल वह बहुत बड़ा मूर्ख था।

(ख) शेर ने भेड़िए की पूँछ के साथ अपनी पूँछ इसलिए बाँध ली ताकि भेड़िया उसे फँसा कर खुद न भाग जाए। राक्षसी खाए तो दोनों को एक साथ खाए।

(ग) शेर फिर कभी बित्तो के खेत की तरफ नहीं गया होगा, क्योंकि वह अभी भी बित्तो को राक्षसी ही समझ रहा था।

(घ) हमारे आस-पास की औरतें और लड़कियाँ भी गाय-भैंस का दूध निकालती हैं। उन्हें चारा डालती हैं। रोज घर की साफ-सफाई करती हैं। खाना पकाती हैं। बच्चों को पढ़ाती हैं व अन्य घर के कार्य करती हैं।

(ङ)

	शेर	घोड़ा
खाना	जानवरों का माँस	चना और घास
घर	जंगल में गुफा के अंदर	अस्तबल
रंग	काली सफेद धारियाँ	सफेद, भूरा और काला
आदतें	शिकार करने से पहले घात लगाना	तेज दौड़ना

6. (क)

जानवर	**चीजें**	**नाम**
शेर	बोतल	किसान
खरगोश	केला	कक्कू
कोयल	कलम	राजू
गौरैया	जूता	रानू
चूहा	पगड़ी	नीना
घोड़ा	किताब	नीम
	बाल्टी	पीपल
	करेला	बत्तो
	छलनी	लता
	दराँती	

(ख) कर्त्ता कारक है।

(ग) भूतकाल

(घ) तुम

(ङ) मरियल

(च) **अर्थ**—बहुत ज्यादा डर जाना।

वाक्य प्रयोग—शेर को देखते ही रामू थर-थर काँपने लगा।

(छ) अधिकरण कारक है।

(ज)

मोर	—	मोरनी	घोड़ा	—	घोड़ी
औरत	—	आदमी	मछुआरा	—	मछुआरन
शेर	—	शेरनी	राजा	—	रानी
बच्चा	—	बच्ची	राक्षस	—	राक्षसी

7. (क) संकट में हौसला रखने से संकट टल जाता है। जैसा कि कहानी में दिखता है।
(ख) बहादुर इंसान संकट के समय घबराते नहीं हैं वरन् उसका डटकर सामना करते हैं।
8. छात्र स्वयं करें।
9. छात्र स्वयं करें।

❑

7. उलझन

❑ **Worksheet**

1. (क) (iii) प्रोफेसर (ख) (iii) लेखक के मान में (ग) (i) फौज में
2. (क) इंजीनियर (ख) दीदी (ग) कंप्यूटर
3. (क) (ii) (ख) (iv) (ग) (i) (घ) (iii)
4. (क) परिवार के लोगों की अलग-अलग अभिलाषाएँ हैं।
(ख) दीदी कहती हैं कि घर में रहकर उद्योग लगाओ।
(ग) भैया कम्प्यूटर सीखने के लिए कहते हैं।
(घ) चाची अफसर बनने को कहती हैं।
5. (क) लेखक के मन की उलझन को कोई समझ नहीं पाता।
(ख) पापा डॉक्टर बनने के लिए कहते हैं।
6. (क) अधिकरण कारक, दीदी
(ख) तुम्हें
7. (क) वे हमारे अन्दर अपना रूप देखते हैं। अपनी अभिलाषाएँ, हमारे द्वारा पूरा कराना चाहते हैं।
(ख) हाँ, हमें अपनी रुचि के अनुसार अपना भविष्य तय करना चाहिए। इसमें यह ध्यान रखें कि परिजनों और गरिमामय भविष्य की उनकी इच्छा भी पूर्ण हो सके।
8. (क) छात्र स्वयं करें।
(ख) छात्र स्वयं करें।

❑

8. थप्प रोटी थप्प दाल

❑ **Worksheet**

1. (क) (ii) मुन्नी (ख) (i) चुन्नू और टिंकू (ग) (ii) चुन्नू ने
(घ) (iii) टिंकू ने (घ) (ii) सरला

2. (क) अब पहले तुम **आग** जलाओ,
और **चूल्हे** में **रोटी** पकाओ।

(ख) लाओ **रोटी** लाओ **दाल**,
लाओ खूब उड़ाएँ **माल**।

(ग) है **छींके** पर यह क्या रखा,
आन रही क्या, अगर न **चखा**।

3. (क) (iii) (ख) (iv) (ग) (ii) (घ) (i)

4. (क) नीना चुन्नू और टिंकू से ही दाल इसलिए बनवाना चाहती होगी क्योंकि उसे पता था कि ये लड़के हैं और इन्हें दाल बनाना तो दूर आग जलाना भी नहीं आता। इनसे दाल बनवाकर वह उन्हें परेशान करना चाहती थी। उनका मजाक उड़ाना चाहती थी।

(ख) बच्चों ने खाने-पीने की चीजें छींके में इसलिए रखीं ताकि उन्हें कोई चुरा न ले या बिल्ली खा न ले।

(ग) चुन्नू ने चिढ़ाने के लिए पहले दाल को खट्टा और फिर मीठा बताया।

(घ) रोटी गरम-गरम थी।

(ङ) नीना बिल्ली बन जाती है।

5. (क) **(i) दही बिलोना**

(ii) दही से लस्सी या छाछ बनाना

सरला को इस काम के लिए दही, हाँडी, बिलोना, चीनी, पानी और बर्फ आदि की जरूरत होगी।

(ख) **बिलोना**—जब किसी चीज को रई आदि से मथते हैं तो उसे बिलोना कहते हैं। जैसे—दही बिलोना।

घोलना—जब किसी तरल पदार्थ में कोई घुलने वाली चीज पूरी तरह मिला देते हैं तो उसे घोलना कहते हैं। जैसे—दूध में शक्कर घोलना।

फेंटना—जब किसी चीज को हाथ की उँगलियों से पूरी तरह मिला देते हैं तो उसे फेंटना कहते हैं। जैसे—पानी मिलाकर बेसन फेंटना।

(ग)

बिलोते हैं	दही	पकी हुई दाल
घोलते हैं	दूध में शक्कर	पानी में नमक
फेंटते हैं	दवा में शहद	पानी के साथ बेसन

(घ)

तवा	कड़ाही	कलछी	कद्दूकस
चकला	बेलन	छलनी	पतीला
भगोना	कटोरी	चमचा	चम्मच
चिमटा	चाकू	परात	कूकर

(ङ) दाल, दही, साग, बड़ियाँ, मक्खन, रोटी, मलाई, दूध और चावल पौष्टिक आहार हैं।

6. (क) घंटी बोली टन-टन-टन
चलो, चलें, घर को फौरन।
कहाँ चले भई कहाँ चले
मम्मी पापा जहाँ चले।
रेल चली भई रेल चली
छुक-छुक करती रेल चली।
कल की छुट्टी परसों इतवार
चलो घूमने चलें सब यार।
रोटी दाल पकाएँगे।
खूब मजे से खाएँगे।

(ख) कर्म कारक

(ग) सम्बोधन वाचक

(घ) भविष्यत काल

(ङ) तीनों विशेषण हैं।

7. (क) इससे हम आत्मनिर्भर बनते हैं यदि कहीं खाना ना मिले या बनाने वाला न हो तो हम मनपसंद खाना बनाकर खा सकते हैं।

(ख) चोरी करना गलत काम है चाहे अपने घर के खाने-पीने के सामान की ही क्यों न हो। इससे हमारे अंदर गलत आदत पनपती है।

8. (क) नाटक का नाम 'थप्प रोटी थप्प दाल' इसलिए है क्योंकि इस नाटक में सारे बच्चे मिलकर रोटी और दाल पकाने का खेल खेलते हैं।

शीर्षक—(क) बिल्ली खा गई रोटी-भात (ख) किसने रोटी-दाल चुराई?

(ख) पट थप
धप झप

9.

खाना कौन बनाता है	मैं क्या मदद कर सकता हूँ	मैं क्या मदद करता हूँ
मम्मी	सब्जी धो सकता हूँ।	सलाद काटता हूँ।
दादी	सलाद काट सकता हूँ।	सब्जी धोता हूँ।
पापा (कभी-कभी)	खाना लगा सकता हूँ।	खाना लगाता हूँ।

❑

9. जैसा सवाल वैसा जवाब

❑ Worksheet

1. (क) (ii) ख्वाजा सरा (ख) (iii) तीन

(ग) (ii) दूसरा (घ) (i) बादशाह

2. मतिमान — मतिहीन
अहंकार — भरोसा
जगत — प्रयास

3. (क) (iv) (ख) (i) (ग) (ii) (घ) (iii)

4. (क) बीरबल ने तुरंत जमीन पर छड़ी गाड़कर उत्तर दिया।

(ख) ख्वाजा सरा ने कहा, ''उस नकली अक्ल-बहादुर की कलई खुल जाएगी।''

(ग) ख्वाजा सरा ने कहा, ''ऐसे गोलमोल जवाबों से काम नहीं चलेगा जनाब!''

(घ) इस प्रश्न का बीरबल ने उत्तर दिया कि भेड़ के शरीर पर जितने बाल हैं उतने आकाश में तारे हैं।

(ङ) ख्वाजा सरा ने बीरबल को मूर्ख साबित करने की कोशिश की क्योंकि वह उनसे जलता था।

5. (क) बीरबल ने कहा, ''जहाँपनाह! संसार की आबादी पल-पल पर घटती-बढ़ती रहती है क्योंकि हर पल लोगों का मरना-जीना लगा ही रहता है। इसलिए यदि सभी लोगों को एक जगह इकट्ठा किया जाये तभी उनको गिनकर ठीक-ठीक संख्या बताई जा सकती है।''

(ख) हाँ, हो सकता है।

(1) ख्वाजा सरा का पहला सवाल था—'संसार का केंद्र कहाँ है?'
इस सवाल का जवाब हो सकता है—हिमालय की सबसे ऊँची चोटी की सबसे ऊँची जगह ही संसार का केंद्र है ख्वाजा सरा नाप कर देख लें।

(2) दूसरा सवाल था—'आकाश में कितने तारे हैं?'
इसका उत्तर हो सकता है—'एक बोरी सरसों में जितने दाने है, आकाश में उतने ही तारे हैं ख्वाजा सरा दोनों को गिन कर देख सकते हैं।

(3) तीसरा प्रश्न था—'संसार की आबादी कितनी है?'
इसका उत्तर हो सकता है—ख्वाजा के सिर और दाढ़ी में जितने बाल हैं, संसार की आबादी उतनी ही है। वह चाहें तो अपनी दाढ़ी और सिर मुंडवाकर गिनती कर लें।''

(ग) अगर मैं ख्वाजा सरा की जगह पर होता तो बीरबल को हराने के लिए ये सवाल पूछता कि कुत्ते की दुम सीधी क्यों नहीं होती?

(घ) अगर मेरा बस चले तो मैं अपने लिए एक कार ले लूँ और सारी दुनिया की सैर करूँ। संसार की हर तरह की चॉकलेट अपने फ्रीज में रख लूँ और जब भी चाहे खाता रहूँ। मैं सुपरमैन बन जाऊँ और दुनिया के सारे अपराधियों को पकड़ कर जेल में भर दूँ।

6. (क) **चल** अब यहाँ से चलते हैं।
चल-चल तेरी बात में कोई दम नहीं।
वह बिना रास्ते **चला** जा रहा है।

जीवन में **चलना** जिंदगी है।

चलती का नाम गाड़ी है।

चलो इस बहाने तुम से मिल लिए।

(ख) एक दिन अकबर ने बीरबल से पूछा, ''बीरबल दुनिया में सबसे अधिक शक्तिशाली कौन है?'' बीरबल ने कहा—''जहाँपनाह! सबसे शक्तिशाली है—गोद में खेलने वाला छोटा-सा बच्चा।'' अकबर बोले—''यह तो हो नहीं सकता। जो बालक अपने आप चल-फिर नहीं सकता, वह भला सबसे ताकतवर कैसे होता है?'' दरबारियों ने बादशाह की हाँ में हाँ मिलाई।

''अगर ऐसा है तो साबित करके दिखाओ।'' —अकबर ने कहा।

अगले दिन बीरबल गोद में एक छोटे-से बच्चे को लेकर दरबार में हाजिर हुए। अकबर ने उत्सुकता से पूछा—''बीरबल यह कौन है?''

''हुजूर! यह एक रिश्तेदार का बच्चा है। उसने विनती की कि एक बार बादशाह सलामत उसे अपनी गोद में ले लें''

अकबर ने बच्चे को गोद में ले लिया। थोड़ी देर तक खेलता-खेलता वह बच्चा अकबर की मूँछों को खींचने लगा।

बीरबल तुरंत खड़े होकर बोले, ''हुजूर! मैंने कहा था ना कि छोटा-सा बच्चा सबसे अधिक शक्तिशाली होता है। देखिए, इस बच्चे ने आपकी मूँछों को खींच दिया। तब आप ही बताइए, इसके सिवाय किसमें इतनी हिम्मत है जो आपकी मूँछों को हाथ लगा दे?''

सभी लोग बीरबल की बुद्धिमानी की प्रशंसा करने लगे।

(ग) **नाक-भौंह सिकोड़ना**—कहीं भी बाहर जाने के नाम पर वह नाक-भौंह सिकोड़ने लगता है।

कलई खुलना—चोरी की कलई खुलते ही वह धीरे से खिसक गया।

छक्के छूटना—शिवाजी ने आक्रमण करके मुगलों के छक्के छुड़ा दिए।

तूती बोलना—जब से श्याम सरपंच बना है समाज में उनकी तूती बोलती है।

(घ) सम्प्रदान कारक और कर्त्ता कारक हैं।

(ङ) प्रश्नवाचक वाक्य है।

7. (क) जी हाँ, बुद्धि का सदुपयोग समाज का हितकारी और दुरुपयोग अहितकर होता है।

(ख) सकारात्मक सोच व्यक्ति को सकारात्मक और सफल बनाती है।

8. (क) **मुर्गे का अंडा**

एक बार बादशाह अकबर ने सारे दरबारियों के साथ मिलकर बीरबल को हराने की योजना बनाई। उन्होंने बीरबल को थोड़ी देर के लिए बाहर भेजकर दरबारियों से कहा, ''इस टोकरी में अंडे रखे हैं। आप सभी इसमें से एक—एक अंडा निकाल कर अपने पास छिपा लें। बीरबल के आने पर मैं सभी से तालाब में गोता लगाने को कहूँगा। तालाब से बाहर निकलने पर आप

सब यह अंडा मुझे दिखा दें। ऐसा लगे जैसे अंडा आपको तालाब में से ही मिला हो।''

जब बीरबल बाहर घूमकर वापस आ गए तब बादशाह अकबर ने कहा, ''बीरबल! हमें कल रात सपने में दरबारियों की योग्यता परखने का एक नया तरीका मिला है। पास के तालाब में सभी दरबारी बारी-बारी से गोता लगाएँगे। जो दरबारी बड़ा वफादार है, उन्हें वहाँ एक-एक अंडा मिलेगा। जो भी आदमी अंडा लिए बगैर वापस आएगा, वह भरोसे लायक नहीं होगा।''

बादशाह की बात सुनकर सारे दरबारी खुश हो गए। उन्हें देखकर बीरबल समझ गए कि जरूर कोई न कोई चाल है।

सारे दरबारी एक-एक करके तालाब में कूदते और अपने हाथ में एक अंडा लेकर बाहर आते।

बीरबल ने भी तालाब में गोता लगाया। उन्होंने सोचा की तालाबी में कोई टोकरी रखी होगी जिसमें अंडे भर दिए होंगे। उन्होंने खूब ढूँढ़ा, परंतु उन्हें कोई टोकरी नहीं मिली।

तब बीरबल ने मंत्री बुद्धि लगाई। तालाब के अंदर से पानी के छींटे उड़ाते हुए 'कुकडूँ-कूँ.....कुकडूँ-कूँ.....' करने लगे। बादशाह अकबर बोले, ''बीरबल! तुम मुर्गे की तरह कुकडूँ-कूँ..... क्यों बोल रहे हो?''

बादशाह के चेहरे पर हँसी आ गई। सारे दरबारी शर्मिंदा हो गए।

(ख) तेनालीराम, मुल्ला नसीरूद्दीन, गोपाल भाँड, शेखचिल्ली, लाला बुझक्कड़।

❑

10. कोई लाके मुझे दे

❑ Worksheet

1. (क) (ii) कोट (ख) (i) दूब की (ग) (i) सोने का

2. (क) भरा (ख) छाँव (ग) फूल (घ) जवाब

3. (क) (iii) (ख) (i) (ग) (ii) (घ) (ii)

4. (क) कवि जमुना का जल लाने की बात कर रहे हैं।
(ख) किताब अच्छी होनी चाहिए।
(ग) सवाल मीठा होना चाहिए।

5. (क) एक छुट्टी वाले दिन में एक अच्छी-सी किताब, एक मीठा-सा सवाल और एक नन्हा-सा जवाब होना चाहिए।
(ख) कवि एक सोना जड़ा दिन लाने की बात कर रहे हैं।

6. (क) सम्बन्ध कारक और बाँसुरी संज्ञा है।
(ख) किताब संज्ञा और अच्छी विशेषण है।

7. (क) एक अच्छी किताब जीवन की पथप्रदर्शक होती है। वह हमें मूल्यों और दायित्वों से भर देती है।

(ख) जीवन में अच्छा समय व्यक्ति के उत्थान और हर्ष का समय होता है। इसलिए अच्छे समय की आवश्यकता होती है।

8. (क) छात्र स्वयं करें।

(ख) छात्र स्वयं करें।

❑

11. हुदहुद

❑ Worksheet

1. (क) (i) सुलेमान (ख) (ii) गिद्धों से

(ग) (i) हुदहुदों ने (घ) (i) 3 से 10 (ङ) (iii) हुदहुद

2. (क) चतुर (ख) इच्छा (ग) हुदहुदों (घ) सफेद

3. (क) (iii) (ख) (iv) (ग) (ii) (घ) (i)

4. (क) मादा हुदहुद 3 से 10 अंडे देती है।

(ख) कलगी सिर पर होती है। जैसे हुदहुदों के सिर ताज की तरह उगी और फिर सुंदर परों के रूप में उगी।

(ग) हुदहुदों ने सुलेमान की मदद की।

(घ) हुदहुदों को 'शाह सुलेमान' के नाम से भी पुकारते हैं।

(ङ) हुदहुद पक्षी बोलते समय तीन बार 'हुप-हुप-हुप' सा कुछ कहता है।

(च) हुदहुदों का सारा शरीर रंग-बिरंगा और चटकीला होता है।

5. (क) हुदहुद के सिर पर कलगी होती है। इसका सारा शरीर रंग-बिरंगा और चटकीला होता है। पंख काले होते हैं जिन पर मोटी सफेद धारियाँ बनी होती हैं। इसकी चोंच पतली, लंबी और तीखी होती है। बोलते समय यह तीन बार 'हुप-हुप-हुप' सा कुछ कहता है।

(ख) हमारे आस-पास गौरैया, कबूतर, मैना, कौवा आदि पक्षी पाए जाते हैं।

(ग) हुदहुद को कहीं 'हजामिन' चिड़िया के नाम से पुकारते हैं, क्योंकि इसकी चोंच नाखून काटने वाली 'नहरनी' से मिलती है। हुदहुद को कहीं-कहीं 'पदुबया' के नाम से पुकारा जाता है, क्योंकि यह दूब में से भी कीड़ा ढूँढ़ लेती है।

(घ) (i) वे छोटे-छोटे कीड़े-मकोड़े खाते होंगे।

(ii) चोंच से वे जमीन के भीतर छिपे कीड़े-मकोड़े ढूँढ़ निकालते होंगे। दुश्मनों से अपना बचाव भी वे इसी चोंच से करते होंगे।

6. (क) (i) **पर**—हुदहुद के **पर** सुन्दर हैं।

आज का काम कल **पर** मत छोड़ो।

(ii) **कलम** —हम सब **कलम** से लिखते हैं।
राजा ने चोर का सर **कलम** कर दिया।

(iii) **जल**—मुझे एक गिलास **जल** चाहिए।
देखो कहीं हाथ न **जल** जाए।

(iv) **फल**—सेब एक बहुत पौष्टिक **फल** है।
बुरे काम का **फल** बुरा ही होता है।

(ख)

हुदहुद	पक्षी
भारत	देश
अनार	फल
गंगा	नदी
हिमालय	पहाड़
दैनिक जागरण	अखबार
महाभारत	किताब
रविवार	दिन

7. (क) मानव होने का वास्तविक कर्त्तव्य परमार्थी होना है। अत: हमें सदैव सहयोग करने और मुसीबत के समय सहायता करने वाली प्रवृत्ति को अपनाना चाहिए।

(ख) हमें सदैव उत्साह और ईमानदारी से अपने कर्त्तव्य निभाने चाहिए।

8. (क) छात्र स्वयं करें।

(ख)

रंग का नाम	**इस रंग की चीजों के नाम**
गहरा काला	छतरी, कोट, बाल
फीका हरा	बोतल
भड़कीला लाल	चुंदरी, पोशाक
सुनहरा पीला	अंगूठी, कंगन

(ग)

नारंगी	नारंगी (संतरा) के नाम पर
बैंगनी	बैंगन के नाम पर
गुलाबी	गुलाब के नाम पर
जामुनी	जामुन के नाम पर
प्याजी	प्याज के नाम पर

❑

12. सुनीता की पहिया कुर्सी

❑ **Worksheet**

1. (क) (iii) सुनीता (ख) (ii) अमित (ग) (iii) चीनी
(घ) (iii) अमित ने (ङ) (ii) फरीदा

2. (क) पहली (ख) एक (ग) ना (घ) सोचने

3. (क) (iv) (ख) (iii) (ग) (ii) (घ) (i)

4. (क) आठ बजे तक सुनीता तैयार हो गई।

(ख) सुनीता को सड़क की जिंदगी देखने में मजा आया।

(ग) अमित का कद बाकी बच्चों से बहुत छोटा था।

(घ) सुनीता ने एक किलो चीनी माँगी।

(ङ) अमित झट से सुनीता की पहिया कुर्सी के पीछे चढ़ गया।

5. (क) सुनीता पहिया कुर्सी पर बैठी थी इसलिए सब लोग उसे गौर से देख रहे थे।

(ख) दुकानदार ने चीनी की थैली उसकी गोद में रख दी जबकि सुनीता ने चीनी की थैली पकड़ने के लिए हाथ बढ़ाया था। दुकानदार का यह व्यवहार सुनीता को बुरा लगा क्योंकि दुकानदार की सोच के विपरीत वह अपना सामान स्वयं ले सकती थी।

6. (क) ए-10, गुरु अंगद नगर, लक्ष्मी नगर
नई दिल्ली
दिनांक—19 मई, 2012
प्रिय सुनीता,
तुम्हारी हिम्मत और धैर्य प्रशंसा के योग्य है। यह बहुत अच्छी बात है कि तुम स्वयं को अन्य बच्चों से अलग महसूस नहीं करती और वे सारे काम करने को तैयार रहती हो जो वे करते हैं। तुम वाकई बहुत पक्के इरादों वाली लड़की हो। पहिया-कुर्सी के सहारे कहीं भी चली जाती हो। उन लोगों की परवाह नहीं करती हो जो तुम्हें एकटक निहारते हैं। मैं तुम्हारी शुभचिंतक हूँ। पत्र का जवाब जरूर देना।
तुम्हारी प्रिय सहेली
रचना

(ख) सुनीता का लिंग स्त्रीलिंग है।

(ग) तुम्हारे शब्द सर्वनाम है।

(घ) इसलिए

7. (क) मानवीय दृष्टिकोण से देखा जाये तो वे कई कामों में असहाय होते हैं। इसलिए हमें दिव्यांग लोगों के प्रति सहृदय होना चाहिए।

(ख) साहस से हर परिस्थिति का सामना किया जा सकता है।

8. (क) यदि सुनीता मेरी पाठशाला में आए तो कक्षा में प्रवेश करने के लिए, सीढ़ियाँ चढ़ने में और कक्षा से बाहर आने के लिए सीढ़ियों से उतरने में, अपनी कक्षा के बच्चों के साथ खेलने में परेशानी आएगी।

(ख) पाठशाला में रैम्प होनी चाहिए। एक सहायक की नियुक्ति होनी चाहिए, जिसका काम सुनीता जैसे बच्चों की मदद करना होगा।

(ग) छात्र स्वयं करें। ❑

13. कौन?

❒ **Worksheet**

1. (क) (ii) चूहे ने (ख) (iii) कुतर देता है
(ग) (iii) रात-भर जागता है (घ) (ii) चूहा

2. (क) दोना **खाली** रखा रह गया
(ख) **कौन** ले गया उठा **मिठाई**?
(ग) दो टुकड़े **तसवीर** हो गई
(घ) किसने **रस्सी** काट **बहाई**?

3. (क) (iii) (ख) (iv) (ग) (ii) (घ) (i)

4. (क) चूजा कागज कुतर जाता है।
(ख) चूहा कोने में छिपता है।
(ग) चूहा रात-भर गड़बड़ करता है।
(घ) चूहा तसवीर के दो टुकड़े कर देता है।
(ङ) जिल्द चूहा काट देता है।

5. (क) यह शरारती जीव घर की अलमारी में, स्टोर में, रसोईघर में, चप्पल-जूते रखने के स्थान पर अर्थात् घर के कोने-कोने में गया।
(ख) कपड़े, जूते-चप्पलों, किताबों तथा खाने-पीने की चीजों का सबसे ज्यादा नुकसान हुआ।
(ग) इस शरारती जीव यानी चूहे या उसकी फौज से निबटने के लिए मेरे घर में चूहेदानी का इस्तेमाल किया जाता है। इस चीज से निबटने के लिए हम बिल्ली भी पालते हैं।
(घ) इस शरारती जीव के अलावा कुत्ते, बिल्ली और बंदर घर में घुस जाते हैं।
(ङ) कबाड़ी अखबार, कॉपियाँ, प्लास्टिक, लोहे, पीतल और टीन इत्यादि के सामान खरीदते हैं।

6. (क) **खलीता**—थैली
छन्ने—छानने के लिए महीन कपड़ा
धाता—दौड़ता
(ख) करण और कर्म कारक हैं।
(ग) यह प्रश्नवाचक वाक्य है।
(घ) भूतकाल का वाक्य है।

7. (क) हमारी संस्कृति हमें किसी भी जीव की हत्या करना नहीं सिखाती अतएव नुकसान के बावजूद हम चूहों को जहर नहीं देते।
(ख) हमें सभी जीवों पर दया करनी चाहिए क्योंकि यही मानवता है।

8. छात्र स्वयं करें। ❑

14. किरमिच की गेंद

❒ **Worksheet**

1. (क) (ii) सुनील (ख) (iii) किरमिच की गेंद
(ग) (iii) चार महीने (घ) (i) सुनील ने

2. (क)

(i) जिस मकान में दो मंजिलें	दुमंजिला मकान
(ii) जिस स्कूटर में दो पहिए हों	दोपहिया स्कूटर
(iii) जिस झंडे में तीन रंग हों	तिरंगा झंडा
(iv) जिस जगह पर चार राहें मिलती हों	चौराहा
(v) जिस स्कूटर में तीन पहिए हों	तिपहिया स्कूटर

3. (क) (ii) (ख) (i) (ग) (iv) (घ) (iii)

4. (क) दिनेश की माँ सिलाईवाली मशीन चला रही होंगी।
(ख) दिनेश वह चीज खोज रहा था जिसकी धम से गिरने की आवाज उसने सुनी थी।
(ग) दिनेश को क्यारी में किसी चीज की आवाज सुनाई दी। उस आवाज को पहचान कर दिनेश को पता चला होगा कि क्यारी में वही चीज गिरी है।
(घ) बच्चे क्रिकेट खेल रहे थे। दिनेश बल्लेबाजी कर रहा था। अभी दो-चार बार ही खेला था कि वह चमकदार नई गेंद एकदम जोर से उछली और दरवाजा पार कर सड़क पर जाते हुए एक स्कूटर में बनी सामान रखने की जालीदार टोकरी में जा गिरी। स्कूटर वाले को शायद पता नहीं चला। तेजी से चलते हुए स्कूटर के साथ गेंद भी चली गई। तभी बच्चे चिल्लाते हुए स्कूटर के पीछे भागे।

5. (क) दिनेश ने सभी से पूछा, "मुझे एक गेंद मिली है। अगर तुममें से किसी की गेंद खो गई हो, तो वह गेंद की पहचान बताकर गेंद मुझसे ले सकता है।"
(ख) दीपक बार-बार गेंद को अपनी इसलिए बता रहा होगा क्योंकि वह उस गेंद को पाना चाहता था।
(ग) दीपक ने गेंद को अपना बताते हुए बोला—उसकी गेंद पाँच महीने पहले खो गई थी। उसकी गेंद पर ऐसा ही लाल रंग का निशान था, जैसा इस गेंद पर है। उसकी गेंद के टप्पे से भी ऐसी ही आवाज आती थी। वह अपने पापा से भी कहलवा सकता है कि यह गेंद उसी की है।
(घ) दीपक ने गेंद को सड़क पर फेंकने के लिए हाथ उठाया।

6. (क) (i) **टहनी**—पेड़ की डाली।
तना—पेड़ का मुख्य भाग जो काफी मोटा होता है।
पेड़—बड़ा और मजबूत होता है।
पौधा—छोटा और कमजोर होता है।
घूँस—घूँस बड़ा होता है।
चूहा—चूहा छोटा होता है।

मुँडेर—छत के चारों तरफ उठी दीवार मुँडेर कहलाती है। यह अधिक ऊँची नहीं होती है।

चारदीवारी—घर या जमीन को चारों ओर से घेरने के लिए उठाई गई दीवार। यह अधिक ऊँची होती है।

(ii) सरकंडे से टोकरी, सूप, कलम और चटाई बनती है।

	बेल	**पौधा**
(ख)	सीताफल	बैंगन
	लौकी	भिन्डी
	तोरी	टमाटर
	परवल	मिर्च
(ग)	क्रिकेट	किरमिच
	हॉकी	रबड़
	फुटबॉल	चमड़ा
	बॉलिबाल	चमड़ा
	टेनिस	प्लास्टिक

7. (क) ईर्ष्या एक ऐसी कठोर भावना है जो न केवल आपसी सम्बन्धों को नुकसान पहुँचाती है बल्कि मानसिक तथा उत्पादकता दोनों को बर्बाद कर सकती है। जब आप दूसरों से लगातार ईर्ष्या करते हैं तब आप अपनी खूबियों तथा रचनात्मकता को भी नजरअंदाज करके चले जाते हैं।

(ख) चालाक आदमी चालाकी करता है जो विश्वसनीय होता है। अत: उसे चालाकी से उत्तर देना सही है क्योंकि वह कभी भी चालाकी कर नुकसान पहुँचा सकता है।

8. (क) (i) **क्लब के नियम**—

खेल में रुचि रखने वाले बच्चे इसमें शामिल होंगे।
क्लब की बैठक में सबको समय पर आना होगा।
सभी बारी-बारी से बोलेंगे।
खेलकूद के बारे में सभी मिलकर फैसला करेंगे।
सबको नियमों का पालन करना होगा।
क्लब कैप्टन की बात सभी मानेंगे।

(ii) मेरे विचार से क्लब को अच्छी तरह चलाने के लिए नियमों की जरूरत है। यदि बिना किसी नियम के क्लब बनेगा तो उसमें सभी अपनी-अपनी चलाएँगे।

(ख) (i) सीताफल, अमरूद, तोरी, शरीफा, बैंगन, तरबूज, घीया।

(ii) कांदा—गुजरात
बटाटा—गुजरात

काशीफल—उत्तर प्रदेश
नेनुआ—बिहार, उत्तर प्रदेश
कुम्हड़ा—उत्तर प्रदेश, बिहार

❑

15. नसीरूद्दीन का निशाना

❒ Worksheet

1. (क) (i) दोस्तों के साथ (ख) (ii) तीर-धनुष
(ग) (iii) नसीरूद्दीन ने (घ) (iii) तीसरी बार

2. (क) गप्प मारना (ख) विश्वास (ग) छोड़ (घ) सेनापति

3. (क) (iii) (ख) (i) (ग) (iv) (घ) (ii)

4. (क) नसीरूद्दीन गप्प मारने वाला व्यक्ति था। वह कहता था कि तीरंदाजी में मेरा मुकाबला कोई नहीं कर सकता।
(ख) वह दोस्तों के साथ गप्प मार रहा था।
(ग) उसकी बात पर उसके दोस्तों को विश्वास नहीं हुआ।
(घ) नसीरूद्दीन की परीक्षा लेने का फैसला उसके दोस्तों ने लिया।
(ङ) जमकर ठहाका उसके दोस्तों ने लगाया।

5. (क) नसीरूद्दीन के दोस्त तीरंदाजी की परीक्षा लेकर देखना चाह रहे थे कि वह सच बोल रहे हैं या झूठ।
(ख) नसीरूद्दीन निशाना न लगने पर बार-बार झूठ इसलिए बोल रहा था ताकि उसके दोस्त ये नहीं समझें कि उसे तीरंदाजी नहीं आती है और वे उस पर हँसने न लगें।
(ग) सही निशाना लगने पर नसीरूद्दीन ने एक विजेता के अंदाज में कहा, ''देखा तुमने! यह था मेरा निशाना।''

6. (क) मुकाबला साधा
निशाना दुबारा
फैसला ठहाका
उठाया विजेता
(ख) फँस खींची नहीं हँसने
हाथों मुँह अंदाज में

7. हम चाहे कोई भी काम करें, हमें झूठ नहीं बोलना चाहिए; क्योंकि इससे हालात सुधरने के बजाय और बिगड़ जाते हैं। झूठ बोलने के परिणाम यह होते हैं कि जब किसी को पता चलता है कि आपने झूठ बोला है, तो इसका प्रभाव हमेशा के लिए उस व्यक्ति पर पड़ता है कि वह आपके साथ कैसा व्यवहार करता है।

8. छात्र स्वयं करें। ❑

अर्द्धवार्षिक परीक्षा प्रतिदर्श प्रश्न-पत्र

(अध्याय 1 से 7 तक)

1. (क) (ii) बादल (ख) (ii) नसीरूद्दीन के पुराने दोस्त
(ग) (iii) 20 दिन

2. (क) भगवान (ख) राजभंडार (ग) भिखारी (घ) क्रोध (ङ) दान

3. (क) (iii) (ख) (iv) (ग) (i) (घ) (ii)

4. (क) एक आदमी ने लोगों के लिए राजा से दस हजार रुपए की सहायता माँगी थी।
(ख) जमाल साहब मामूली से कपड़ों में घूमते तो लोग कहते कि उनके पास अच्छे कपड़े नहीं हैं। इसलिए जमाल साहब अपने मामूली से कपड़ों में घूमने नहीं जाना चाहते होंगे।
(ग) बादल जिद्दी बनकर नदी-नालों में बाढ़ लाते हैं।
(घ) भूख के मारे शेर की आँतें छटपटा रही थीं।

❑

वार्षिक परीक्षा प्रतिदर्श प्रश्न-पत्र

(अध्याय 8 से 15 तक)

1. (क) (i) बादशाह (ख) (i) सुलेमान (ग) (iii) सुनीता

2. (क) चतुर (ख) इच्छा (ग) हुदहुदों (घ) सफेद

3. (क) (iii) (ख) (iv) (ग) (ii) (घ) (i)

4. (क) चुन्नू ने चिढ़ाने के लिए पहले दाल को खट्टा और फिर मीठा बताया।
(ख) दुकानदार ने चीनी की थैली उसकी गोद में रख दी जबकि सुनीता ने चीनी की थैली पकड़ने के लिए हाथ बढ़ाया था। दुकानदार का यह व्यवहार सुनीता को बुरा लगा क्योंकि दुकानदार की सोच के विपरीत वह अपना सामान स्वयं ले सकती थी।
(ग) हुदहुद का सारा शरीर रंग-बिरंगा और चटकीला होता है।
(घ) चूहा कागज कुतर जाता है।

❑